



舊唐書卷一百一十五  
 卷一百一十五  
 舊唐書卷一百一十五  
 舊唐書卷一百一十五

唐詩編中 7

湖北人民出版社



潘耒

潘耒，字西塹，號止耕，浙江海鹽人。康熙年間進士，官至翰林院學士。其詩文風格清新，著有《潘耒集》。此處為其詩集之序言，內容涉及詩學理論與創作心得。

# 全集一多聞



聞一多全集

卷二

# 聞一多全集

聞一多

全集

7

· 唐诗编中

本卷整理：徐少舟  
湖北人民出版社

## 编者说明

本卷共收入闻一多有关唐诗的稿件七部,除《唐诗大系》一稿曾为开明版《闻一多全集》收录过外,其余均为未刊稿。所有未刊稿均据北京图书馆藏作者手稿照相复印件。原手稿皆未断句标点,为既要方便读者,同时又不至于曲解作者原意,整理时对原稿进行了断句式的初步标点。考虑到版本不同等因素,对原稿所引诗文,除明显的错误之外,整理者一般未作校改。

## 目 录

### 唐诗编中

|              |     |
|--------------|-----|
| 唐诗大系 .....   | 3   |
| 全唐诗汇补 .....  | 355 |
| 全唐诗续补 .....  | 477 |
| 全唐诗辨证 .....  | 528 |
| 说杜丛钞 .....   | 577 |
| 唐风楼据录 .....  | 703 |
| 全唐诗校勘记 ..... | 792 |

# 唐诗编中



# 唐 诗 大 系



## 整理说明

一 作者有两部“唐诗选”稿，一为《唐诗大系》，一为《唐诗》。此以《唐诗》一稿内容为主，辅之以《唐诗大系》整理而成，名称则依然沿用开明版《闻一多全集》曰《唐诗大系》。

二 原《唐诗大系》一稿仅录陈子良至李白等六十四人作品，全为手抄。对其入选作家或篇目与原《唐诗》一稿略异者，此撮其主要，随文注出，聊备参考。

三 原《唐诗大系》稿的入选作家各有小传，且此“小传”与作者《全唐诗人小传》一稿略有不同，似更为成熟。为了不致遗珠漏玉，同时又能保证全篇体例统一，故此将六十四人小传集中附录于篇末。

四 原《唐诗》为铅印稿，中有作者手书补入之眉批杂注等内容，开明版《闻一多全集》的《唐诗大系》即因此而成。然开明版等《唐诗大系》均起自王绩，而原《唐诗》和原《唐诗大系》两稿在王绩之前，却又手书增补了杨师道、虞世南、陈子良、魏徵四人作品。本整理稿仍以王绩开篇，对以上四人作品，则以注文形式附诸王绩之后。

五 原《唐诗》稿中的手书眉批杂注，或有为开明版《闻一多全集·唐诗大系》所未收者，此酌情适量收入，并随文出注。

六 原《唐诗》一稿后附有作者手书“简易姓名笔划索引”和“诗人生卒年一览表”两部分，因价值不大，此删。

七 根据作者所订之唐诗人生卒年(主要依生年),对《唐诗》一稿中入选者的次第或有移动。

八 本整理稿主要根据开明版《闻一多全集》,标点符号也一仍其旧。

## 目 录

|     |     |    |     |      |    |
|-----|-----|----|-----|------|----|
| 王 绩 | 三首  | 12 | 张 说 | 七首   | 35 |
| 上官仪 | 二首  | 13 | 苏 颋 | 二首   | 36 |
| 卢照邻 | 一首  | 14 | 张 旭 | 二首   | 37 |
| 骆宾王 | 二首  | 15 | 贺知章 | 一首   | 37 |
| 李 峤 | 一首  | 16 | 张九龄 | 十一首  | 38 |
| 薛 稷 | 二首  | 16 | 常 理 | 一首   | 40 |
| 杜审言 | 六首  | 17 | 蒋 冽 | 一首   | 41 |
| 苏味道 | 一首  | 18 | 薛奇童 | 一首   | 41 |
| 王 勃 | 七首  | 19 | 包 融 | 三首   | 42 |
| 杨 炯 | 二首  | 21 | 贺 朝 | 一首   | 42 |
| 韦承庆 | 一首  | 21 | 王 翰 | 一首   | 43 |
| 刘希夷 | 二首  | 22 | 崔国辅 | 十一首  | 43 |
| 王无竞 | 一首  | 24 | 孟浩然 | 二十四首 | 46 |
| 崔 融 | 二首  | 24 | 李 颀 | 十二首  | 50 |
| 宋之问 | 九首  | 25 | 徐延寿 | 一首   | 55 |
| 沈佺期 | 五首  | 27 | 张 均 | 一首   | 56 |
| 郭元振 | 二首  | 29 | 綦毋潜 | 六首   | 56 |
| 张若虚 | 一首  | 30 | 韦 述 | 一首   | 57 |
| 陈子昂 | 十七首 | 31 | 王 湾 | 一首   | 58 |

|     |      |     |     |      |     |
|-----|------|-----|-----|------|-----|
| 邱 为 | 三首   | 58  | 殷 遥 | 一首   | 111 |
| 王之涣 | 四首   | 59  | 张 潮 | 四首   | 111 |
| 李 嶷 | 五首   | 60  | 杨 谏 | 一首   | 113 |
| 孙 逖 | 二首   | 61  | 金昌绪 | 一首   | 113 |
| 王昌龄 | 十七首  | 61  | 颜真卿 | 一首   | 113 |
| 祖 咏 | 八首   | 66  | 张 巡 | 一首   | 114 |
| 蒋 涣 | 一首   | 68  | 刘长卿 | 十七首  | 114 |
| 于 逖 | 一首   | 68  | 刘方平 | 五首   | 117 |
| 卢 象 | 三首   | 69  | 张 彪 | 二首   | 118 |
| 寒山子 | 三首   | 70  | 杜 甫 | 九十九首 | 119 |
| 沈千运 | 三首   | 70  | 严 维 | 二首   | 141 |
| 陶 翰 | 三首   | 71  | 王季友 | 二首   | 142 |
| 李 白 | 四十九首 | 72  | 毕 耀 | 一首   | 142 |
| 王 维 | 五十首  | 88  | 岑 参 | 十八首  | 142 |
| 高 适 | 十二首  | 97  | 李 华 | 一首   | 147 |
| 薛 据 | 一首   | 100 | 裴 迪 | 三首   | 147 |
| 刘昫虚 | 二首   | 100 | 萧颖士 | 一首   | 147 |
| 崔 颢 | 十首   | 101 | 包 何 | 一首   | 148 |
| 崔 曙 | 四首   | 103 | 贾 至 | 一首   | 148 |
| 阎 防 | 一首   | 104 | 李嘉佑 | 六首   | 148 |
| 丁仙芝 | 五首   | 105 | 张 谓 | 五首   | 149 |
| 吴豸之 | 一首   | 105 | 钱 起 | 二十首  | 151 |
| 郑德玄 | 一首   | 105 | 元 结 | 四首   | 155 |
| 储光羲 | 十八首  | 106 | 皇甫冉 | 五首   | 156 |
| 常 建 | 五首   | 108 | 包 佶 | 一首   | 157 |
| 秦 系 | 四首   | 110 | 张 继 | 一首   | 157 |

|     |     |     |      |      |     |
|-----|-----|-----|------|------|-----|
| 独孤及 | 三首  | 157 | 窦叔向  | 一首   | 178 |
| 皇甫曾 | 一首  | 158 | 柳中庸  | 四首   | 178 |
| 于良史 | 三首  | 158 | 韩翃   | 六首   | 179 |
| 严武  | 一首  | 159 | 郑常   | 二首   | 180 |
| 灵一  | 三首  | 159 | 司空曙  | 十首   | 181 |
| 顾况  | 六首  | 160 | 戎昱   | 三首   | 183 |
| 郎士元 | 七首  | 161 | 张志和  | 一首   | 183 |
| 孟云卿 | 六首  | 162 | 章八元  | 一首   | 184 |
| 苏涣  | 三首  | 164 | 李端   | 十一首  | 184 |
| 戴叔伦 | 七首  | 164 | 畅当   | 三首   | 186 |
| 窦参  | 三首  | 166 | 于鹄   | 十一首  | 187 |
| 耿纬  | 八首  | 167 | 崔峒   | 二首   | 189 |
| 韦应物 | 三十首 | 168 | 刘言史  | 一首   | 189 |
| 梁锺  | 一首  | 173 | 刘复   | 一首   | 189 |
| 张万顷 | 一首  | 174 | 李宣远  | 一首   | 190 |
| 李季兰 | 一首  | 174 | 卢纶   | 十四首  | 190 |
| 李康成 | 一首  | 174 | 李益   | 十二首  | 192 |
| 芮挺章 | 一首  | 174 | 法振   | 二首   | 195 |
| 张翥  | 一首  | 175 | 畅诸   | 一首   | 195 |
| 赵微明 | 一首  | 175 | 长孙佐辅 | 三首   | 195 |
| 张南史 | 二首  | 175 | 孟郊   | 二十九首 | 196 |
| 奚贾  | 一首  | 176 | 李约   | 一首   | 201 |
| 元融  | 一首  | 176 | 陈羽   | 二首   | 202 |
| 陶岷  | 一首  | 176 | 羊士谔  | 六首   | 202 |
| 皎然  | 二首  | 177 | 武元衡  | 一首   | 203 |
| 郑锡  | 四首  | 177 | 杨凭   | 二首   | 203 |

|     |      |     |     |      |     |
|-----|------|-----|-----|------|-----|
| 权德輿 | 二首   | 204 | 殷尧藩 | 四首   | 251 |
| 杨凝  | 四首   | 204 | 沈亚之 | 三首   | 252 |
| 杨凌  | 一首   | 205 | 李廓  | 六首   | 253 |
| 王涯  | 六首   | 205 | 章孝标 | 二首   | 254 |
| 薛涛  | 一首   | 206 | 李德裕 | 一首   | 254 |
| 王建  | 十首   | 206 | 无可  | 一首   | 254 |
| 张籍  | 十三首  | 209 | 郑巢  | 四首   | 255 |
| 韩愈  | 二十二首 | 211 | 李余  | 二首   | 255 |
| 张仲素 | 三首   | 218 | 李贺  | 二十五首 | 256 |
| 窦巩  | 二首   | 218 | 施肩吾 | 六首   | 262 |
| 杨巨源 | 六首   | 219 | 许浑  | 十二首  | 263 |
| 马逢  | 二首   | 220 | 张祜  | 十二首  | 265 |
| 雍裕之 | 一首   | 220 | 刘叉  | 一首   | 267 |
| 白居易 | 三十四首 | 221 | 卢仝  | 二首   | 267 |
| 刘禹锡 | 二十二首 | 231 | 韩琮  | 四首   | 268 |
| 吕温  | 二首   | 236 | 韦楚老 | 一首   | 268 |
| 柳宗元 | 十四首  | 236 | 顾非熊 | 一首   | 269 |
| 景云  | 二首   | 239 | 朱庆馀 | 五首   | 269 |
| 马戴  | 八首   | 240 | 刘得仁 | 二首   | 270 |
| 鲍溶  | 十首   | 241 | 刘沧  | 二首   | 271 |
| 姚合  | 六首   | 243 | 李远  | 一首   | 271 |
| 周贺  | 六首   | 244 | 陈陶  | 五首   | 271 |
| 元稹  | 五首   | 245 | 喻凫  | 一首   | 272 |
| 牛僧孺 | 一首   | 247 | 段成式 | 一首   | 273 |
| 贾岛  | 二十一首 | 247 | 崔櫓  | 六首   | 273 |
| 刘皂  | 一首   | 251 | 杜牧  | 三十首  | 274 |

|     |      |     |     |      |     |
|-----|------|-----|-----|------|-----|
| 雍陶  | 六首   | 279 | 罗邺  | 二首   | 301 |
| 任翻  | 三首   | 280 | 唐求  | 二首   | 302 |
| 薛逢  | 二首   | 281 | 曹唐  | 二十二首 | 302 |
| 方干  | 三首   | 281 | 张乔  | 一首   | 305 |
| 于武陵 | 三首   | 282 | 武瓘  | 一首   | 305 |
| 刘威  | 二首   | 282 | 处默  | 一首   | 305 |
| 孟迟  | 二首   | 283 | 储嗣宗 | 二首   | 305 |
| 李商隐 | 二十四首 | 283 | 司马札 | 一首   | 306 |
| 李群玉 | 四首   | 288 | 贯休  | 三首   | 306 |
| 姚鹄  | 一首   | 288 | 于濂  | 三首   | 307 |
| 项斯  | 一首   | 289 | 李郢  | 二首   | 307 |
| 赵嘏  | 四首   | 289 | 崔道融 | 五首   | 308 |
| 曹邺  | 四首   | 290 | 罗隐  | 六首   | 308 |
| 薛能  | 一首   | 291 | 皮日休 | 九首   | 310 |
| 李频  | 一首   | 291 | 周朴  | 一首   | 312 |
| 温庭筠 | 十九首  | 291 | 李咸用 | 一首   | 312 |
| 皇甫松 | 四首   | 295 | 李洞  | 五首   | 313 |
| 刘绮庄 | 一首   | 296 | 司空图 | 十一首  | 314 |
| 李山甫 | 一首   | 296 | 聂夷中 | 三首   | 316 |
| 赵牧  | 一首   | 297 | 章碣  | 一首   | 316 |
| 唐温如 | 一首   | 297 | 周繇  | 一首   | 316 |
| 陆龟蒙 | 十三首  | 297 | 唐彦谦 | 二首   | 317 |
| 高骈  | 二首   | 300 | 郑谷  | 四首   | 317 |
| 许棠  | 一首   | 300 | 韩偓  | 十三首  | 318 |
| 刘驾  | 二首   | 301 | 杜荀鹤 | 三首   | 320 |
| 李昌符 | 一首   | 301 | 曹松  | 八首   | 321 |

|     |          |     |     |          |     |
|-----|----------|-----|-----|----------|-----|
| 吴 融 | 六首 ..... | 322 | 徐 夔 | 二首 ..... | 329 |
| 韦 庄 | 七首 ..... | 323 | 裴 说 | 二首 ..... | 329 |
| 崔 涂 | 六首 ..... | 325 | 翁 宏 | 二首 ..... | 330 |
| 王 驾 | 一首 ..... | 326 | 谭用之 | 二首 ..... | 330 |
| 齐 己 | 二首 ..... | 326 | 徐 铉 | 一首 ..... | 331 |
| 王贞白 | 三首 ..... | 327 | 李 中 | 一首 ..... | 331 |
| 沈 彬 | 一首 ..... | 327 | 张 泌 | 三首 ..... | 331 |
| 张 蟪 | 三首 ..... | 328 | 潘 佑 | 一首 ..... | 332 |
| 翁承赞 | 一首 ..... | 328 |     |          |     |

附：原《唐诗大系》稿所录诗人小传



王绩<sup>①</sup>(585—644)

(上虞罗氏重刊《王无功集》三卷,补遗二卷。)

### 石竹咏

上天布甘雨,万物咸均平。自顾微且贱,亦得蒙滋荣。(以《全唐诗补遗》三二补前四句)萋萋结绿枝,晔晔垂朱英。常恐零露降,不得全其生。叹息聊自思,此生岂我情。昔我未生时,谁者令我萌。弃置勿重陈,委化何足惊。

### 赠程处士

(本集《答杜君书》有处士程融。)

百年长扰扰,万事悉悠悠。日光随意落,河水任情流。礼乐囚姬旦,诗书缚孔丘。不如高枕上,时取醉消愁。(刘希夷《故园置酒》:“风前灯易灭,川上月难留。卒卒周姬旦,栖栖鲁孔丘。平生能几日,不及且遨游。”)

### 野望

东皋薄暮望,徙倚欲何依。树树皆秋色,山山唯落晖。(王勃《山中》:“长江悲已滞,万里念将归。况属高风晚,山山黄叶飞。”)牧童驱犊返,猎马带禽归。相顾无相识,长歌怀采薇<sup>②</sup>。